THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPT. (SATISH SHARMA): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) and (d) The geological objectives of drilling the well-were achived at the depth of 5372 m itself, as against targetted depth of 5600 m. Therefore, further drilling was not considered necessary.

(e) No hydrocarbon presence was detected while drilling the well.

रसोई गैस एजेंसियों और पेट्रोल पम्पों को स्थापित किया जाना

1927. **श्री महेश्वर सिंह :** क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हिमाचल प्रदेश के शिमला, कुल्लू मंडी जिलों और जनजातीय क्षेत्रों में रसोई गैस एजेंसियों और पेट्रोल पंपों की स्थापना हेतु कोई अनुरोध प्राप्त हुए थे ;

(ख) यदि हां, तो किन-किन स्थानों से इस प्रकार की मांग प्राप्त हुई और यह मांग कब की थी; और

(ग) क्या सरकार उन स्थानों पर रसोई गैस एजेंसियों और पेट्रोल पंप स्थापित करने का विचार रखती है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गस मंत्रालय के राज्य मंत्री कप्टन सतीश शर्मा) : (क) और (ख) हिमाचल प्रदेश सहित देश के विभिन्न स्थानों पर नये खुदरा बिक्री केन्द्र और एल पी जी की डिस्ट्रीब्युटरशिपें खोलने के लिये समय-समय पर अनुरोध प्राप्त होते हैं।

(ग) पिछली विपणन योजनाओं से संबंधित चले आ रहे प्रस्तावों के अतिरिक्त, हिमाचल प्रदेश के लिये स्वीकृत "खुदरा बिक्री केन्द्र विपणन योजना 1988-93" में 15 स्थानों को तथा "विपणन योजना 1992-94" में 1 एल पी जी डिस्ट्रीब्यूटरशिप को शामिल किया गया है । शिमला, कुल्लू तथा मंडी जिलों में स्वीकृत स्थान निम्नलिखित हैं:-

जिला	स्थान	
	खुदरा बिक्री केंद्र	एलपीजी
शिमला	शिमला बाई पास	शिमला कोटखाई
कुल्लू	पतलीकुल	
मंडी	नरचौक	

तेल क्षेत्रों से कच्चा तेल निकाला जाना

1928. **श्री राम जेठमलानी :** क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कच्चा तेल निकालने का कार्य सौंपने हेतु निजी क्षेत्र को आमंत्रित करने का निर्णय लिये जाने के पश्चात तेल क्षेत्रों का अभिनिर्धारण किया गया था;

(ख) यदि हां, तो अभिनिर्धारित तेल क्षेत्रों में से बड़े मध्यम और लघु आकार के तेल क्षेत्रों की क्रम-वार संख्या क्या है ;

(ग) क्या इन तेल क्षेत्रों में तेल निकालने का कार्य सौंपने हेतु सरकार द्वारा कोई नियम, शर्तें तैयार की गई हैं ;

(घ) यदि हां, तो विभिन्न प्रकार के तेल क्षेत्रों हेतु तैयार किये गये नियम और शर्तें क्या-क्या हैं ;

(ङ) क्या तेल निकालने का कार्य सौंपने हेतु इन नियमों और शर्तों का कड़ाई पूर्वक पालन भी किया गया था; और

(च) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) और (ख) 31 लघु आकार के तथा 12 मध्यम आकार के तेल एवं गैस क्षेत्रों को विकास के लिये निजी कम्पनियों को दिया गया। कोई बड़े तेल/गैस क्षेत्र नहीं दिये गये ।

(ग) जी, हां ।

(घ) मध्यम आकार के क्षेत्रों के लिये निजी कम्पनियों द्वारा तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग/आयल इंडिया लि० के साथ निगमित अथवा अनिगमित संयुक्त उद्यमों में प्रवेश करना अपेक्षित था जिसमें तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग आयल इंडिया लि० की अनिगमित उद्यमों में शेयर धारिता 40% तथा निगमित उद्यमों में 49% थी । लघु आकार के क्षेत्रों के लिये तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग/आयल इंडिया लि० की कोई भागीदारी रूचि नहीं थी और उत्पादन भागीदारी संविदाओं के अधीन निजी कम्पनियों द्वारा इन क्षेत्रों का विकास किया जाना अपेक्षित था। अन्य शर्तों में कम्पनियों द्वारा सिगनेचर एवं उत्पादन बोनस का भुगतान तथा रायल्टी एवं उपकर का भुगतान और साथ ही 50% की दर पर निगम आयकर का भुगतान शामिल है ।

(ङ) प्राप्त प्रस्तावों का मूल्यांकन किया जा रहा है और बोलीदाताओं के साथ वार्ता होने के बाद संविदाओं पर हस्ताक्षर किये जायेंगे ।

(च) प्रश्न नहीं उठता ।

तेल क्षेत्रों से तेल निकालने के कार्य हेतु निर्धारित नियम तथा विनियम

1829. श्रीमती सुषमा स्वराज : क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में तेल क्षेत्रों से तेल निकालने का कार्य निजी क्षेत्र को सौंपने से पूर्व इस संबंध में नियमों तथा विनियमों को तैयार नहीं किया गया था ; और

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि इन नियमों और विनियमों की अनुपस्थिति के कारण अनेक संगठनों में अनेक प्रकार के सन्देह उत्पादन हो गये हैं और यहां तक कि अपने विवादों को सुलझाने हेतु वे न्यायालयों में भी चले गय हैं ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

Quantum of Equity Capital Invested in PSUS

1830. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) what is the quantum of equity capital invested in each of the public Sector Undertakings under the Ministry of Petroleum and Natural Gas;

(b) what is the number of persons employed in the Public Sector Undertakings and profitability|loss position of each during the Seventh Five Year Plan period annually as on 31st March, 1993;

(c) what is the likely production in each undertaking during 1993-94 and the targets fixed during the Eighth Five Year Plan Period indicating